प्रारूप सात

(नियम 11 देखिए)

भूमि के विकास के लिए धारा 29 के अधीन अनुज्ञा हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप

प्रेषक,

.....
.....

प्रति,

संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश,
मध्यप्रदेश भोपाल।

महोदय,

मैं/हम नीचे वर्णित भूमि के विकास को हाथ में लेन/कार्यान्वित करने की अनुज्ञा के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं –

1. (क) भूमि का वर्णन (उन मार्गों के जिन पर/जिनमें कुछ फासले पर, उस सम्पत्ति का छोर है, नाम तथा सीमाएं बतलाते हुए स्थिति)।

   (ख) क्षेत्रफल ..... वर्गफुट ..... एकड़ों में।

2. मैं/हम एतद्द्वारा, निम्नलिखित दस्तावेज तीन प्रतियों में संलग्न करता हूँ/करते हैं, अर्थात् –

   (एक) भूमि का वर्णन (उन मार्गों के जिन, पर/जिनमें कुछ फासले पर उस सम्पत्ति की छोर हो, नाम तथा सीमाऍं बतलाते हुए स्थिति)।

   (दो) प्रश्नगत भूमि की कमांक दर्शाते हुए खसरा योजना और भूमि की बाहरी सीमा से 200 मीटर के भीतर पड़ने वाले निकटवर्ती खसरा/आवेदित भूमि खसरा मानचित्रों में 'लाल' रंग से दर्शाई गई है।

   (तीन) प्रश्नगत भूमि, मुख्य पहुँच मार्ग, महत्वपूर्ण सार्वजनिक भवनों के जैसे चिकित्सालय, विद्यालय या सिनेमा, पेट्रोल पम्प तथा भूमि के इर्दगिर्द वर्तमान उपयोगों को उपदर्शित करते हुए रेखांक।

   (चार) भूमि का वर्तमान उपयोग (आवासीय), वाणिज्यिक, औद्योगिक/लोक प्रयोजन/खुले स्थान/रिक्त भूमि के रूप में है।

   (पॉंच) 1:5000/1 :1000 या 41–1/1 अथवा 82–1/2 बराबर एक इंच के मान से एक सर्वेक्षण रेखांक दिया जायेगा। रेखांक प्रश्नगत भूमि की सीमाएं प्राकृतिक विशिष्टताऍं, जैसे नाला, जलाशय, वृक्ष, ढलान समोच्च रेखांक 5 अथवा 10 के अन्तर से 200 मीटर तक की दूरी तक भूमि की समीपस्थ भूमि से होकर जाने वाली उच्च वोल्टता लाईन (हाईटेंशन लाईन) मार्ग अधिकार दर्शाने वाले विद्यमान मार्ग तथा रेलवे लाईनें उनके विशेष विवरण तथा सीमाओं सहित विद्युत तथा दूरभाष खंबों की स्थिति और अन्य ऐसी समस्त बातें जिनका कि समीपस्थ क्षेत्रों से समन्वय किये जाने की आवश्यकता हो, दर्शायेगा।

   (छः) प्रश्नगत भूमि कें संबंध में समस्त विकास प्रस्थापनाओं को दर्शाते हुए एक रिपोर्ट।

   (सात) उपयोगी कार्यों तथा सेवाओं जैसे जल प्रदाय, जल निकास और विद्युत प्रदाय और मलाशय (सेप्टिक टैंक) के ब्यौरे दर्शाते हुए रेखांक में दर्शाते उपबन्ध किया गया है और उसके साथ उसमें मोरी के बीच में जल के निवर्तन को भी दर्शाया गया है।

   (आठ) वास्तुविद् संबंधी अन्य ब्यौरे।

(नौ) प्रस्थापित विकास कार्य का प्रकार अर्थात् आवास विषयक, वाणिज्यिक या औद्योगिक उपदर्शित करने वाला एक टिप्पण।

3. रेखांक ..... (रजिस्ट्रीकृत योजनानुसार वास्तुविद/सर्वेक्षक का नाम) द्वारा तैयार किये गये हैं। रजिस्ट्रीकरण कमांक ..... पता .....

3. मैंने विहित किये गये मान के अनुसार ..... रूपये फीस निक्षिप्त कर दी है।

भवदीय,

.....

आवेदक के हस्ताक्षर

.....(पता)

.....